BSKC-**134**

बी. ए. कार्यक्रम

(बी.ए.जी)

सत्रीय कार्य

(जनवरी, **2025** एवं जुलाई, **2025** सत्रों के लिये)

BSKC -134 संस्कृत व्याकरण

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

बी. ए. (कार्यक्रम) संस्कृत - कोर पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य (2025)

पाठ्यक्रम कोड : BAG/BSKC-134/2025

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिये 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये:

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिये।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ………………..

नाम : ………………

पता :………………..

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :……………..

सत्रीय कार्य कोड :……………………

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :………………..

दिनाँक :……………………

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए । अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्प्णीपरक प्रश्नों में आरम्भ और

उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख

लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की

अनुमति नहीं दी जाएगी ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जनवरी, **2025** सत्र के लिए : **30** सितम्बर, **2025**

जुलाई, **2025** सत्र के लिए : **31** मार्च, **2026**

सत्रीय कार्य **:** BSKC **134** संस्कृत व्याकरण

पाठ्यक्रम कोड BSKC - 134

पाठ्यक्रम शीर्षक : संस्कृत व्याकरण

सत्रीय कार्य - BSKC - 134/TMA/2025-26

पूर्णांक 100

नोट **-** सभी प्रश्न अनिवार्य हैं **:-**

(क**)** व्याख्या आधारित प्रश्न **:-** **2*7.5=15**

1. अधोलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिये :-

(क) आदिरन्त्येन सहेता

अथवा

पर: सन्निकर्ष: संहिता

(ख) एचोSयवायाव:

अथवा

अक: सवर्णे दीर्घ:

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न :- **7*5=35**

2. ‘संप्रदान’ संज्ञा को स्पष्ट कीजिये।

3. ‘अग्नये स्वाहा’ की विभक्ति को सूत्रोल्लेखपूर्वक स्पष्ट कीजिये।

4. ‘वृद्धि’ संज्ञा किन वर्णों की होती है? स्पष्ट कीजिये।

5. ‘सुध्युपास्य:’ की रूपसिद्धि प्रक्रिया लिखिये।

6. ‘संयोग’ संज्ञा को स्पष्ट कीजिये।

7. ‘राजपुरुष:’ पद में कौन सा समास है? स्पष्ट कीजिये।

8. ‘नदीभिश्च’ सूत्र की व्याख्या कीजिये।

(ग) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :- **5*10=50**

9. ‘अदर्शनं लोप:’ सूत्र की सविस्तार व्याख्या कीजिये।

10. ‘सुप्तिङन्तं पदम्’ सूत्र की सविस्तार व्याख्या कीजिये।

11. ‘नम:-स्वस्ति-स्वाहा-स्वधाऽलं-वषड्योगाच्च’ सूत्र की सविस्तार व्याख्या कीजिये।

12. ‘मध्वरि:’ की रूपसिद्धि प्रक्रिया लिखिये।

13. ‘स्तो: श्चुना श्चु:’ की सविस्तार व्याख्या कीजिये।